भारत सरकार

सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3

02 फरवरी, 2022 को उत्तरार्थ

विषय: सहकारी समितियों का डाटा अनुरक्षण

3. श्री संभाजी छत्रपती:

क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप श्रेणियों पर आधारित सहकारी समितियों पर वर्गीकृत डाटा को अनुरक्षित करने संबंधी कोई तंत्र विकसित किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) ऋण प्रदान करने वाली सहकारी समितियों समेत वित्तीय लेन-देनों में सम्मिलित सहकारी समितियों की संख्या कितनी है; और

(घ) देश में सहकारी बैंकों की वित्तीय क्षमता को सुदृढ़ करने हेतु सरकार कौन-से प्रभावी कदम उठाने का प्रस्ताव करती है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह)

(क) एवं (ख): जी नहीं। वर्तमान में, भारत सरकार के पास सहकारी समितियों, उनकी गतिविधियों, उनके सदस्यों, उनके वित्तीय विवरण, आदि के बारे में कोई अद्यतन प्रामाणिक डेटा भंडार उपलब्ध नहीं है। तथापि, सरकार सहकारी समितियों के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस विकसित करने की योजना बना रही है और तदनुसार हितधारकों के साथ परामर्श कर रही है।

(ग): भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) 2018 के सांख्यिकीय प्रोफाइल के अनुसार क्रेडिट सहकारी समितियों की राज्यवार सूची अनुबंध क में संलग्न है।

(घ): पैक्स (प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों) के कम्प्यूटरीकरण के लिए प्रस्तावित प्रति योजना से देश की ग्रामीण ऋण प्रणाली में दक्षता और जवाबदेही आने की अपेक्षा है।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्रेडिट सहकारी समितियां
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	**117**
आंध्र प्रदेश	**2874**
अरुणाचल प्रदेश	**52**
असम	**3757**
बिहार	**8818**
चंडीगढ़	**18**
छत्तीसगढ	**1353**
दादरा और नगर हवेली	**40**
दमन और दीव	**9**
दिल्ली	**1436**
गोवा	**429**
गुजरात	**14684**
हरियाणा	**758**
हिमाचल प्रदेश	**2595**
जम्मू एवं कश्मीर	**652**
झारखंड	**4394**
कर्नाटक	**10426**
केरल	**3086**
लक्षद्वीप	**19**
मध्य प्रदेश	**8336**
महाराष्ट्र	**62514**
मणिपुर	**330**
मेघालय	**246**
मिजोरम	**161**
नागालैंड	**1761**
ओड़ीशा	**2729**
पुदुचेरी	**136**
पंजाब	**4115**
राजस्थान	**6518**
सिक्किम	**285**
तमिलनाडु	**6633**
तेलंगाना	**860**
त्रिपुरा	**289**
उत्तर प्रदेश	**12583**
उत्तराखंड	**775**
पश्चिम बंगाल	**13817**
योग	**177605**

स्रोत:एनसीयूआई,2018

****